मद्धानु मुनिः

Rama and his brothers grow into strong young men. One day, the great sage Vishvamitra comes to Ayodhya to ask for an unusual and unwelcome favor.

दशरथः

- ¹ अयोधा महती नगरी।
- ² अयोधा महती सहरी नगरी।
- ³ बद्धवो नरा नार्यश्च नगर्या वसति।
- ⁴ बद्धवो मिल्लिणो वसित नगर्याम्।
- ⁵ बद्धवो योधा नगर्या वसित्र।
- ⁶ बदवश्च बाह्मणा वसित सहर्या नगर्याम्।
- ⁷ सर्वे ऽयोधावासितः स्रिकतः।
- ⁸ सर्वे ऽयोधावासितः स्खं वसित्।
- ⁹ सर्वे ऽयोधावासितः स्रखं वसित सहर्यां तगर्याम्।
- ¹⁰ अयोधाराजो दशरथः।
- ¹¹ दशरथः स्रमी राजा।
- ¹² कस्माट् दशरथः सुरवी राजा?
- ¹³ दशस्थस्य प्रजः।
- ¹⁴ दशस्थस्य बद्धवः प्रजाः!

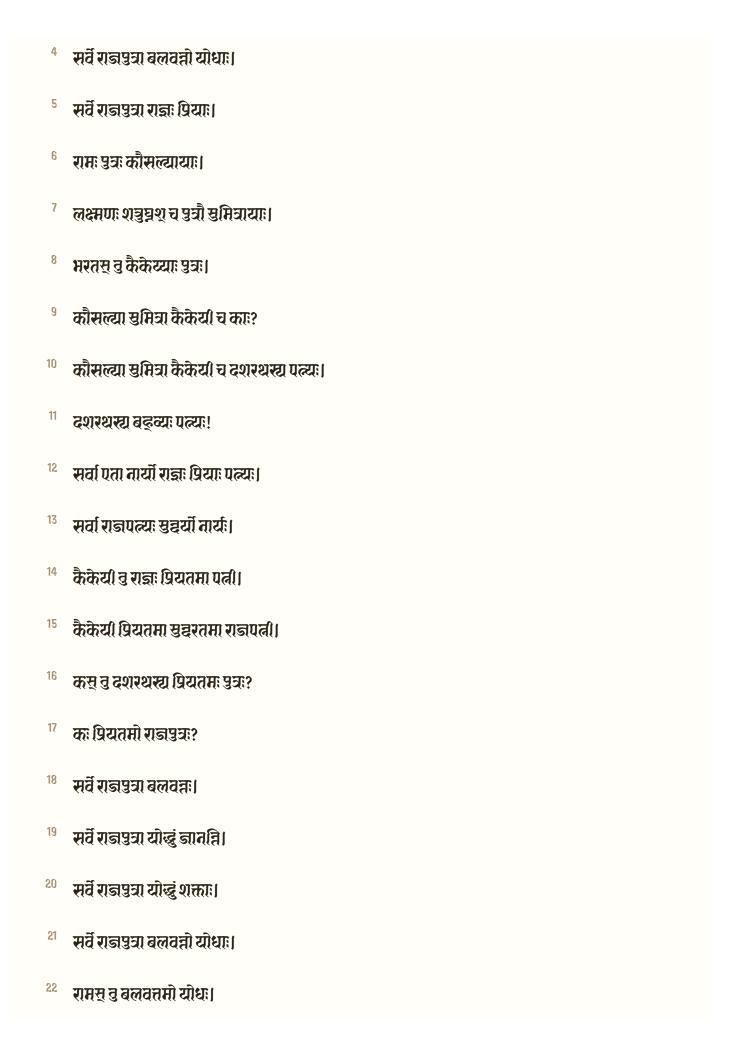
दशरथस्य बद्धवः प्रियाः प्रजाः। पूर्वं दशरथः पुत्रम् ऐच्छत्। एतस्माट् दशरथो यष्ट्रम् ऐच्छत्। पूर्वं दशरथो महातं यज्ञम् अयजत। राजा महातं यज्ञम् अयजत प्रजाय। पूर्वं सर्वे देवा यज्ञम् आगच्छन्। सर्वे देवा यज्ञं द्रष्टुम् आगच्छन्। प्रवं सर्वे देवा यज्ञेन प्रीता अभवन्। एतस्मात् सर्वे देवा दशरथाय पुत्रम् अददुः। सर्वे देवा बहून् प्रजान् अददुर् दशरथाय! एतस्माट् दशस्थस्य प्रजः। एतस्माट् दशस्थस्य बद्धवः प्रियाः प्रजाः।

रा मा य ण म्

राजप्रजाः

- ¹ के प्रजा दशस्थस्य?
- ² रामो लक्ष्मणो भरतः शञ्जञ्जश्च उञा दशरथस्य।
- ³ सर्वे राजपुत्रा बलवत्रो नराः।

एतस्माद् दशस्थः स्रखी राजा।





- 42 एतस्माट् रामो राज्ञः प्रियतमः प्रजः।
- 43 दशस्थस्य, रामः कैकेय्याः प्रियतरः!
- 44 दशरथस्य, रामः प्रियतमः।

विश्वामित्रः

- ¹ राजा दशरथः **स**रवी।
- ² सर्वे राजपत्यः स्रिकतः।
- ³ सर्वे च राजपुत्राः सुखितः।
- ⁴ विश्वामित्रस् तु न स्रवी।
- 5 को विश्वामित्रः?
- ⁶ विश्वामित्रो मृतिः।
- ⁷ विश्वामित्रो महान्।
- 8 विश्वामित्रो महान् मुनिः।
- ⁹ विश्वामित्रो न वसत्य् अयोधायाम्।
- ¹⁰ विश्वामित्रो वने वसति।
- 11 बदवो छतयो वते वसित।
- ¹² बद्धवो स्रतयः स्रखं वसित वते।
- ¹³ किं बद्धवो छतयो तगर्या वसितुम् इच्छित?

| 14 | बदवो मृतयो त तगर्या विस्तुम् इच्छित। |
|----|---|
| 15 | बह्रवो मुनयो वसितुम् इच्छिति वने। |
| 16 | कस्माद् बद्रवो मृतय इच्छिति वने वसितुम्? |
| 17 | बद्धवो तरा तगर्या वसित्र। |
| 18 | मुतिस् तु त विसित्तम् इच्छिति बद्धिम् तरैः सद। |
| 19 | मुतिर् त वसितुम् इच्छति बहुभिर् तरैर् तारीभिश् च सह। |
| 20 | एतस्माट् बद्धवो मृतयो विसिन्नम् इच्छित्ति वते। |
| 21 | एतस्माट् बढ़वो मुतयो त वसितुम् इच्छित्ति तगर्याम्। |
| 22 | बढ़वो सुनयो न विसित्रम् इच्छित्ति मदत्यां सुद्यां नगर्याम्। |
| 23 | विश्वामित्रम् व नगरीं गन्तुम् इच्छति। |
| 24 | विश्वामित्रः सर्वात् मृतीन् पश्यति। |
| 25 | सर्वे! |
| 26 | मया गत्रव्यम्। |
| 27 | मया नगरी गत्तव्या। |
| 28 | मया राजा दृष्टव्यः। |
| 29 | अद्रम् अयोधां गच्छामि। |
| 30 | गच्छ, मृते! |
| 31 | विश्वामित्रो ऽयोधां गच्छति। |
| 32 | कस्मात्? |
| | |

- ³³ विश्वामित्रः कस्माट् गन्तुम् इच्छत्य् अयोधाम्?
- 34 विश्वामित्रः कस्माट् दशस्थम् इच्छति द्रष्टुम्?
- ³⁵ महान् मृतिः किम् इच्छति?

योधाः

- ¹ विश्वामित्रो ऽयोध्यायाम्।
- ² विश्वामित्रो ऽयोधाम् आगतः।
- ³ विश्वामित्रो बहून् तरान् पश्यति।
- 4 विश्वामित्रः पश्यति बहून् तरान् तारीश्च।
- ⁵ सर्व एते तरा तार्यश्च वसित्त महत्यां तगर्याम्।
- ⁶ सर्व एते तरा तार्यशु च सुखं वस्ति।
- े विश्वामित्रस् तु न पश्यति राजानस्।
- ⁸ विश्वामित्रो राजानं द्रष्टुं गच्छति।
- ⁹ विश्वामित्रो बहून् योधान् पश्यति।
- ¹⁰ सर्व एते योधाः कं रक्षति?
- ¹¹ सर्व एते योधा राजानं रक्षति।
- ¹² सर्व एते योधा राज्ञः प्रियाः।
- ¹³ राजा च प्रियः सर्वेषाम् एतेषां योधानाम्।

| 14 | विश्वामित्रः सर्वान् एतान् योधान् गच्छति। |
|----|---|
| 15 | सर्व एते योधाः पश्यति महाम्रित्। |
| 16 | मुते! |
| 17 | त्वंकः? |
| 18 | तं कस्ताद् अयोधाम् आगतः? |
| 19 | तं किम् इच्छिसि? |
| 20 | किं तं राजातं दृष्टुम् इच्छिसि? |
| 21 | सर्वे वयं त ज्ञातीमः। |
| 22 | सर्वे वयं ज्ञानुम् इच्छामः। |
| 23 | अदं राजातं द्रष्टम् इच्छामि। |
| 24 | अदं राजातं द्रष्टम् अयोधाम् आगतः। |
| 25 | अदं विश्वामित्रः। |
| 26 | विश्वामित्र! |
| 27 | सर्वे योधाः स्रिता भवित। |
| 28 | सर्वे योधा जानित महाष्ठिम्। |
| 29 | महामुते! |
| 30 | बम् अस्माकं प्रियः। |
| 31 | सर्वे वयं राजातं ग्रिष्यामः। |
| 32 | तं राजानं द्रक्ष्यसि, मदाम्रे। |

राजमित्रणः

¹ सर्वे योधा राजातं द्रष्टं गताः। ² दशरथस् व त सर्वात् योधान् पश्यति। ³ दशस्थाः कान् पश्यति? ⁴ दशरथः सर्वात् राजमित्तणः पश्यति। ⁵ सर्वे राजमिलणो राजानं मलयि। ⁶ राजा किम् इच्छति? ⁷ मित्तिणः! मम बहवः प्रजाः। मम बद्धवः प्रियाः प्रचाः। का भवेत् पत्नी रामस्य? का भवेड् भरतस्य पत्नी? का भवेच् छञ्जञ्चस्य पती? का च भवेल् लक्ष्मणस्य पती? अहं त जातामि।

किं सर्वे यूयं जातीथ?

| 16 | सर्वे योधा राजातं गच्छित। |
|----|--|
| 17 | राज्ञन्! |
| 18 | दशरथः सर्वात् योधान् पश्यति। |
| 19 | राजा सर्वे च राजमित्रणः पश्यित सर्वान् योधान्। |
| 20 | आगच्छत! |
| 21 | सर्वे यूयं किम् इच्छथ? |
| 22 | सर्वे यूयं कस्मान् मां द्रष्टम् आगताः? |
| 23 | अदं ज्ञारुम् इच्छामि। |
| 24 | सर्वे वयं ज्ञानुम् इच्छामः। |
| 25 | मुनिर् अयोधाम् आगतः। |
| 26 | मुनिस् तां द्रष्टुम् इच्छिति। |
| 27 | मुनिस् तां द्रष्टुम् आगतो ऽयोधाम्। |
| 28 | दशरथः प्रीतो भवति। |
| 29 | कस्मात्? |
| 30 | सर्वे छतयः प्रिया दशरथस्य। |
| 31 | दशरथः सर्वात् म्रतीत् रक्षित्रम् इच्छिति। |
| 32 | किं राजा सर्वान् म्रतीन् रक्षित्रं शक्नोति? |
| 33 | राजा सर्वात् मृतीञ् शक्नोति रक्षित्रम्। |
| 34 | कस्मात्? |

| 35 | दशरथो बलवान् राजा। |
|-------------|--|
| 36 | दशस्थ्रस्य बदवो योधाः। |
| 37 | दशरथस्य बद्धवो बलवत्तो योधाः। |
| 38 | बद्भवो बलवत्तो योधा वसन्त्यू अयोधायाम्। |
| 39 | एतसाट् दशरथो रक्षितुं शक्नोति सर्वान् मृतीन्। |
| 40 | को मुनिर् आगतो नगरीम्? |
| 41 | को मिर्मां द्रष्टम् आगतः? |
| 42 | मदाष्ठितर् विश्वामित्रस् तां द्रष्टुम् आगतः। |
| 43 | विश्वामित्रः! |
| 44 | दशरथो महर्ती प्रीतिं गच्छति। |
| 45 | सर्वे जाति मदाष्ठितं विश्वामित्रम्। |
| 46 | प्रीतो राजा सर्वात् राजमित्तिणः पश्यति। |
| 47 | आगच्छत,सर्वे! |
| 48 | गच्छामः! |
| 49 | मदाम्रिं द्रष्टुं गच्छामः! |
| 50 | दशरथो विश्वामित्रं द्रष्टुं गच्छित। |
| 51 | दशरथः सर्वे च राजमित्रणो मदामुतिं गच्छित दृष्टुम्। |
| , रामायण | रम् |

राक्षसाः



महामुतिर् विश्वामित्रो राजातं पश्यति। राजन्, अदं वसामि वते। 20 अहं बह्रवश्च घनयो वने वसामः। सर्वे वयं सुरवं वसामः सुदृरे वते। सर्वे वयं बहून् यज्ञान् यज्ञामो वते। वयं महायज्ञं यष्ट्रम् इच्छामः। बद्धवस् व राक्षसा वसित वते। सर्व एते राक्षसा बलवतः। वयं न प्रियाः सर्वेषाम् एतेषां राक्षसानाम्। वयं न प्रियाः सर्वेषाम् एतेषां बलवतां राक्षसानाम्। 27 एतस्मात् सर्व एते राक्षसा योद्धम् इच्छित। सर्व एते राक्षसा योद्धम् इच्छित मया सद। सर्व एते राक्षसा इच्छित योखुं सर्वैर् छितिभिः सद। सर्व एते राक्षसा आगच्छित योद्धम्। अस्मास्य यन्तरः, एते राक्षसा आगच्छित योद्धम्। 33 अस्मास्य बात्स, एते राक्षसा युध्यते। अस्माय यनत्य, एते राक्षसाः सर्वप्रतिभिः सद युध्यते। एतस्मात् सर्वे वयं यष्टं न शक्छमः। एतस्मात् सर्वे वयं त स्विताः।

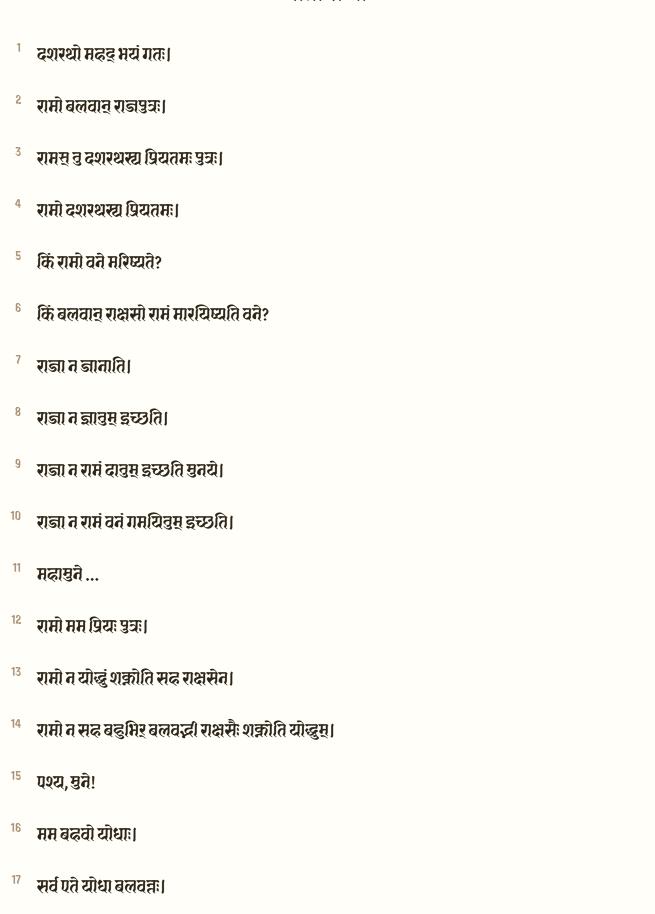
- अर्वे त राक्षसाः स्रस्तिताः।अर्वे राक्षसा मारयितव्याः।
- ³⁹ वयं यज्ञं यष्टं शक्ष्यामः।
- 40 सर्वेषु राक्षसेषु मृतेषु, वयं यज्ञं यष्टुं शक्यामः।
- 41 सर्वेषु राक्षसेषु मृतेषु, अहं प्रीतो भविष्यामि।
- ⁴² एतस्माट् अहं नगरीम् आगतः।
- ⁴³ एतस्माद् अहं तां द्रष्टम् आगतः।

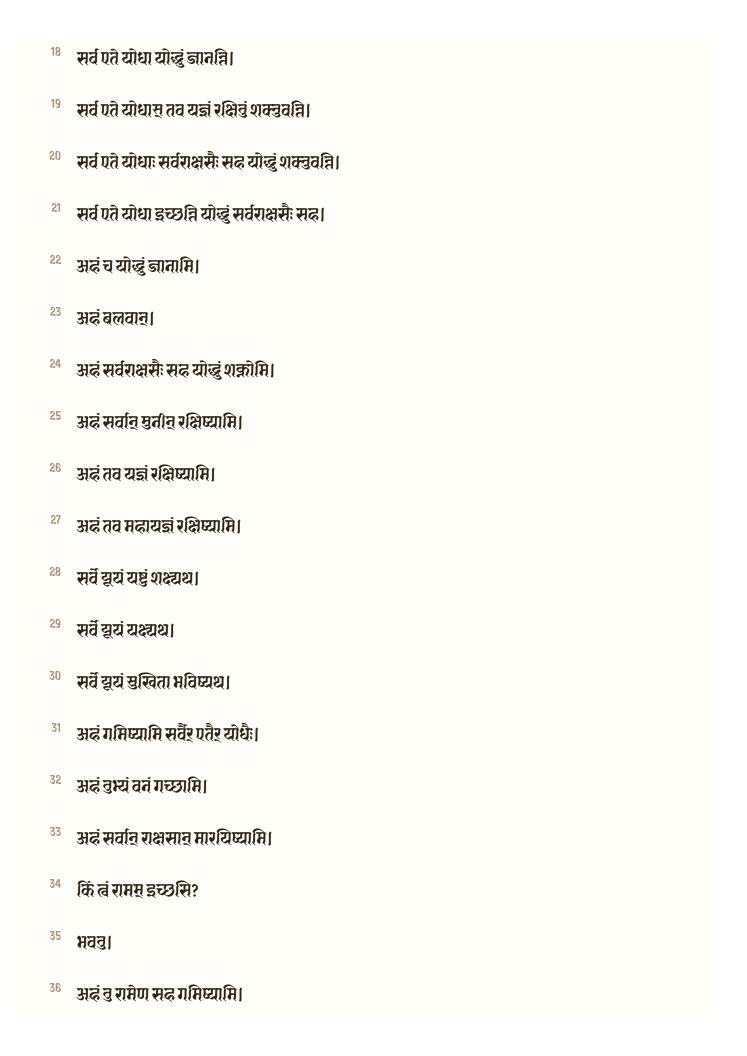
रामं देहि!

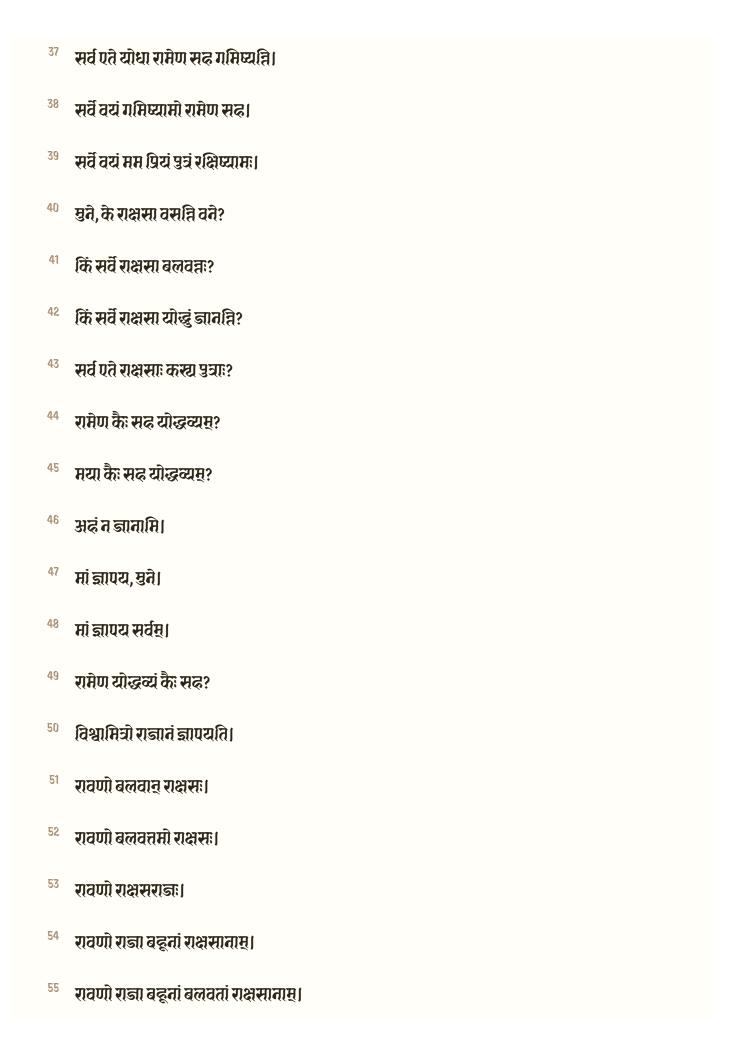
- विश्वामिजः किम् इच्छति?
- ² राजा त जाताति।
- ³ विश्वामित्रो राजातं ज्ञापयित।
- 4 सर्वे राक्षसा मारयितव्याः।
- ⁵ राजन्, देहि मह्यं रामम्।
- ⁶ रामो बलवान् नरः।
- ⁷ रामो बलवत्तमो नरः।
- ⁸ रामः सर्वान् राक्षसान् मारयितुं शक्तः।
- ⁹ सर्वे व राक्षसा रामं मारयिवं त शक्ताः।

रामस् तव प्रियः प्रजः। तं त मह्यं रामं दातुम् इच्छिस। तं रामं रक्षितुम् इच्छिस। अदम् एतज् जातामि। रामस् व बलवान्। रामो बलवान् योधः। रामो मारयिष्यति सर्वात् राक्षसात्। अदम् एतत् प्रतिज्ञानामि, राजन्। सर्वे जाति रामस्य मदत्वम्। सर्वे मिल्लिणम् तव जानित मदत्वं रामस्य। देदि रामम्। देदि रामं मह्यम्। दशरथम् तु त स्वितः। त च दशरथः प्रीतः। दशरथो भीतः। दशरथो भयं गच्छति। दशरथो महद् भयं गच्छति। रा मा य ण म्

भीतो राजा







- ⁵⁶ रावणस्य बह्वो योधाः।
- ⁵⁷ रावणस्य बद्धवो बलवत्तो योधाः।
- ⁵⁸ मारीचः सबादुश् च योधौ राक्षसराजस्य।
- ⁵⁹ मारीचः स्रबादुश्च बलवत्तौ राक्षसौ।
- ⁶¹ मारीचः सुबादुश् च वने वसतः।
- 62 एतस्मात् सर्वे वयं यष्टं न शक्उमः।
- ⁶³ एतस्माट् अहं त्वां द्रष्टुम् आगतः।

कुद्धो मुनिः

- ¹ दशरथो रावणाट् भीतः।
- ² भीतो राजा मृतिं पश्यति।
- ³ अहं त रावणेत सह योखुं शक्तः।
- ⁴ त च सर्व एते योधा योद्धं शक्ता रावणेत सद।
- ⁵ त च सर्वे देवा योद्धं शक्ता रावणेत सदः!
- ⁶ अहं च त शक्रोमि योखं सर्वे रावणस्य राक्षसैः सह।
- ⁷ रामो मश्घ्यते।

| 8 | सर्व एते राक्षसा रामं मारयिष्यति। |
|----|--|
| 9 | सर्व एते राक्षसा बलवज्ञः। |
| 10 | सर्व एते राक्षसा रामाङ् बलवत्तराः। |
| 11 | अहं वुभ्यं रामं न दास्यामि। |
| 12 | अदं वुभ्यं न दास्यामि मम प्रियं उत्रकम्। |
| 13 | राजा त रामं दातुम् इच्छिति मृतये। |
| 14 | रामो न वनं गमिष्यति। |
| 15 | रामो न सर्वान् राक्षसान् मारयिष्यति। |
| 16 | किं विश्वामित्रः स्रखी? |
| 17 | विश्वामित्रो त स्रखी। |
| 18 | किं विश्वामित्रो भीतः? |
| 19 | विश्वामित्रो त भीतः। |
| 20 | विश्वामित्रः कुद्धः। |
| 21 | विश्वामित्रो दशरथाय कुद्धः। |
| 22 | कुद्धो छिनर् भीतं राजातं पश्यति। |
| 23 | राजन्, प्रर्वं त्या प्रतिज्ञा प्रतिज्ञाता। |
| 24 | पूर्वं त्या मह्यं प्रतिज्ञा प्रतिज्ञाता। |
| 25 | तं उ त प्रतिज्ञां रक्षिउम् इच्छिम। |
| 26 | महान् राजा प्रतिज्ञां रक्षति। |



वसिष्ठः

- ¹ सर्वे भीता विश्वामित्रात्।
- ² सर्वे भीता महामुतेः।
- ³ वसिष्ठम् व न भीतः।
- 4 वसिष्ठः कः?
- ⁵ वसिष्ठो महान् छतिः।
- ⁶ वसिष्ठो महान् बाह्मणः।
- ⁷ विश्वाि विश्वाि विश्वाित विष्या विश्वाित विष्या विष्या विष्याित विष्याित विष्याित विष्याित विष्याित विष्याित विष्या
- 8 वसिष्ठो न वसित वने।



- ²⁸ त्वया मुतये प्रतिज्ञा प्रतिज्ञाता।
- ²⁹ तया प्रतिज्ञा रक्षितव्या।
- 30 विश्वामित्रो राक्षसं मारयितुं शक्तः।
- ³¹ विश्वामित्रः सर्वान् राक्षसान् मारयित्रं शक्तः।
- 32 सर्वे देवा जातित महत्तं विश्वामित्रस्य।
- 33 विश्वामित्रस् व स्ति।
- ³⁴ मुतिता त योद्धव्यम्।
- ³⁵ एतस्माट् विश्वामित्रो न योद्धम् इच्छति।
- ³⁶ एतस्माट् विश्वामित्र इच्छति रामम्।
- ³⁷ देहि रामं मृतये, राजन्।
- ³⁸ रामो न मरिष्यते।
- ³⁹ रामः सर्वान् राक्षसान् मारयिष्यति।
- ⁴⁰ रामो यज्ञं रक्षिष्यति।

महात् मृतिः

Rama and his brothers grow into strong young men. One day, the great sage Vishvamitra comes to Ayodhya to ask for an unusual and unwelcome favor.

रामो वतं गच्छति

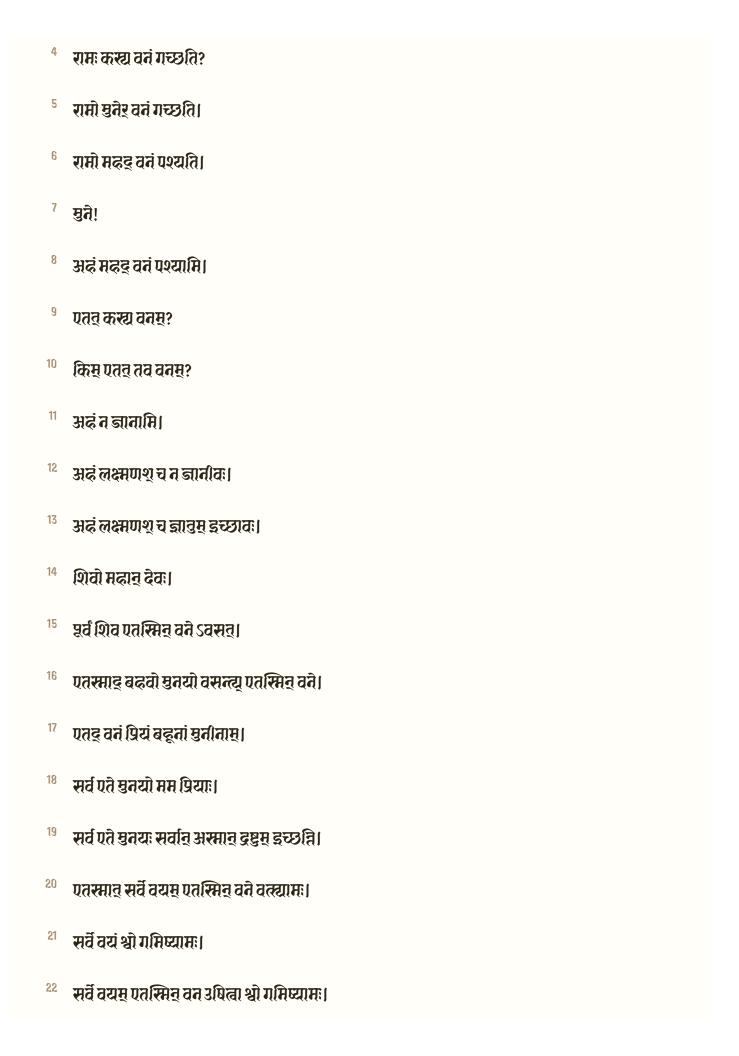
¹ वसिष्ठेत राजा मित्तितः।

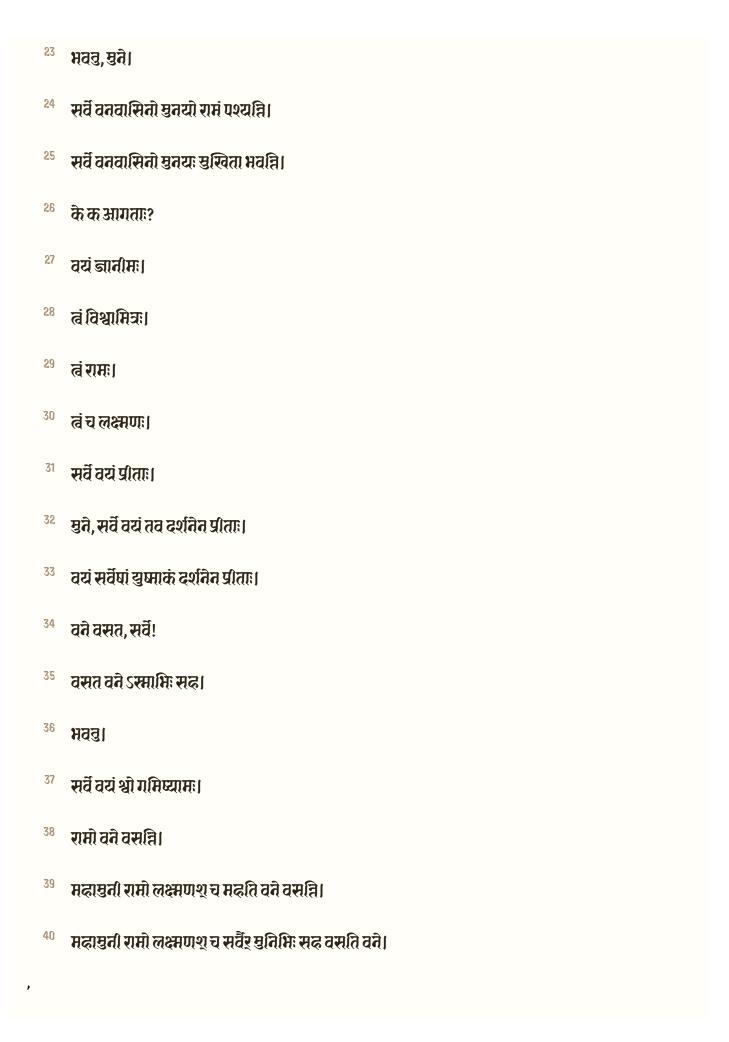
| 2 | महायुतिना वसिष्ठेन राजा मन्त्रितः। |
|----|---|
| 3 | किं राजा भीतः? |
| 4 | राजा न भीतः। |
| 5 | राजा प्रीतः। |
| 6 | प्रीतो राजा किम् इच्छति? |
| 7 | राम! |
| 8 | लक्ष्मण! |
| 9 | आगच्छतम्! |
| 10 | रामो लक्ष्मणश् च राजातं द्रष्टुम् आगच्छतः। |
| 11 | राम, एष विश्वामिजः। |
| 12 | विश्वामित्रो महाम्रतिः। |
| 13 | महामुनिर् महायज्ञं यष्टुम् इच्छति वने। |
| 14 | बदवस् व राक्षसा वसित्र वते। |
| 15 | सर्व एते राक्षसा बलवज्ञः। |
| 16 | सर्व एते राक्षसा मारियतच्याः। |
| 17 | राम, त्वया सर्वे राक्षसा मारयितच्याः। |
| 18 | सर्वे मृतयो यज्ञं यष्टं शक्ष्यति। |
| 19 | सर्वेषु राक्षसेषु मृतेषु, सर्वे मृतयः शक्यिति यष्टं यज्ञम्। |
| 20 | राम, गच्छ विश्वामित्रेण सह। |

रक्ष मदायज्ञम्। रक्ष सर्वात् मृतीत्। लक्ष्मण, गच्छ रामेण सद। तं रामश्च विश्वामित्रेण सह गमिष्यथः। तं रामश्च सर्वान् राक्षसान् मारयिष्यथः। 26 भवव। अहं गच्छामि, राजन्। अहं लक्ष्मणश्च वतं गमिष्यावः। अहं लक्ष्मणश्च सर्वान् वनराक्षसान् मारयिष्यावः। अहं गच्छामि, राजन्। 30 आगच्छ, राम! गच्छावः। रामो लक्ष्मणश्च विश्वामित्रेण सद वतं गच्छतः। रा मा य ण म

महद् वतम्

- ¹ महाम्रतिर् विश्वामित्रो वतं गच्छति।
- ² रामो महाम्रतिना सह गच्छति।
- ³ लक्ष्मणश्च मुतिता सद गच्छति वतम्।





ताटकावनम्

- ¹ रामो विश्वामित्रस्य वतं गच्छति।
- ² राम उषिता बहुभिर् मुतिभिः सद गच्छति वतं विश्वामित्रस्य।
- ³ रामस् च भयानकं वनं पश्यति।
- 4 महामुते!
- ⁵ अहं भयानकं वनं पश्यामि।
- ⁶ एतत् कस्य वतम्?
- विम् एतत् तव वतम्?
- ⁸ अहं लक्ष्मणश्च त जातीवः।
- ⁹ अहं लक्ष्मणश्च ज्ञातुम् इच्छावः।
- ¹⁰ विश्वामित्रो भयानकं वनं पश्यति।
- 11 पूर्वम् इड्ड एतस्मिन् वने ऽवसत्।
- 12 इद्वो महान् देवः।
- ¹³ इद्यो मदान् बलवान् देवः।
- 14 इड्डो देवराजः।
- ¹⁵ इद्वो राजा सर्वदेवाताम्।
- 16 प्रवंस इच्चो Sवसद् एतस्मिन् वते।



| 36 | राम! |
|--------|--|
| 37 | ताटका मारियतच्या। |
| 38 | त्वया ताटका मारियतच्या। |
| 39 | ताटका बलवती। |
| 40 | त्वं च ताटकाया बलवतरः। |
| 41 | एतद् वतं सहरं भविष्यति। |
| 42 | एतद् भयानकं वनं सुद्यरं भविष्यति। |
| 43 | ताटकायां चतायाम्, एतद् भयानकं वनं भविष्यति स्वरम्। |
| 44 | ताटकायां मृतायाम्, बद्धवो मृतय एतस्मिन् वते वसिन्धं शक्ष्यिति। |
| 45 | ताटकायां मृतायाम्, बद्धवो मृतयो न भविष्यित्ति भीता एतस्मिन् वते। |
| मा य प | गुम् |
| | ताटका |
| 1 | |

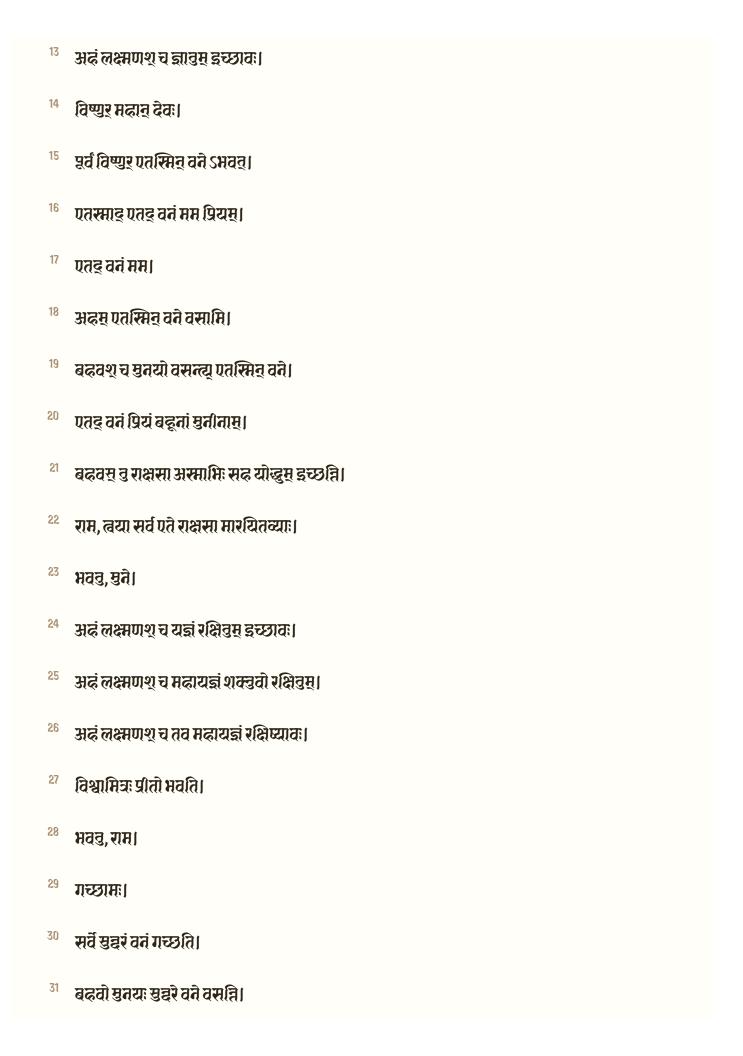
- ¹ किं रामो भीतः?
- ² किं रामस् ताटकां मारियध्यति?
- ³ भवतु, मुत्रे।
- ⁴ अहं न भीतः।
- ⁵ अहं न ताटकाया भीतः।
- ⁶ अहं सर्वान् मृतीन् रक्षिष्यापि।





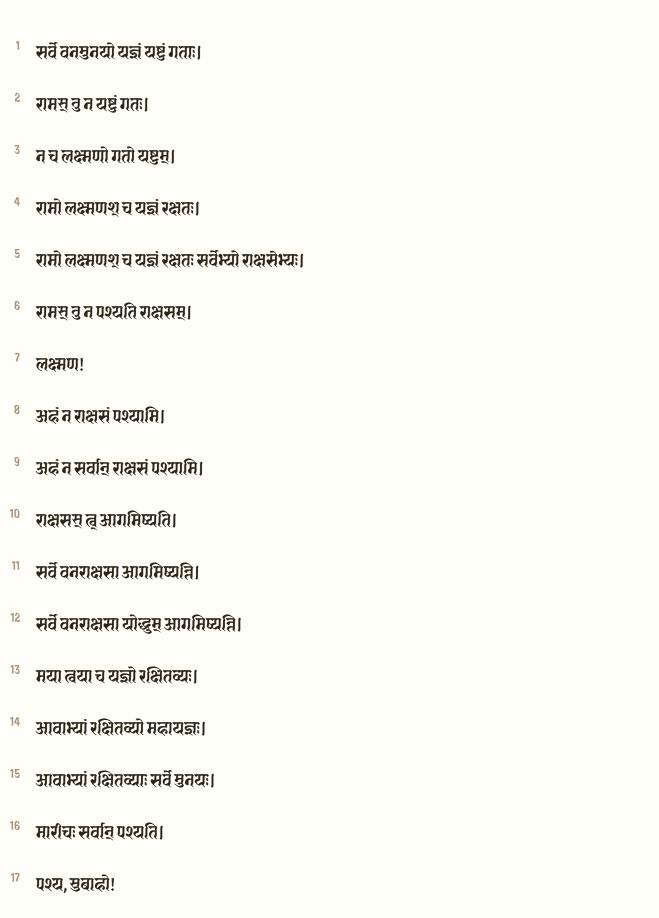


वयम्, एतस्मिन् वन उषिता, मम वनं श्वी गमिष्यामः। भवतु, महामुते! सर्वे सहरे वने वसित। ताटकायां मृतायाम्, सर्वे वसित्त सहरे वते। रा मा य ण म् युज्ञः ¹ सर्वे ताटकावन उषिता गच्छित। 2 राम! लक्ष्मण! आगच्छतम्! 4 सर्वे वयं मम वतं गमिष्यामः। भववु, मुते! ⁶ अदं लक्ष्मणश्च यज्ञं रक्षिष्यावः। ⁷ सर्वे पश्यित सुद्धरं वतम्। मदामुते! अदं सुद्दरं वतं पश्यामि। एतत् कस्य वतम्? किम् एतत् तव वनम्? अहं लक्ष्मणश्च त जातीवः।

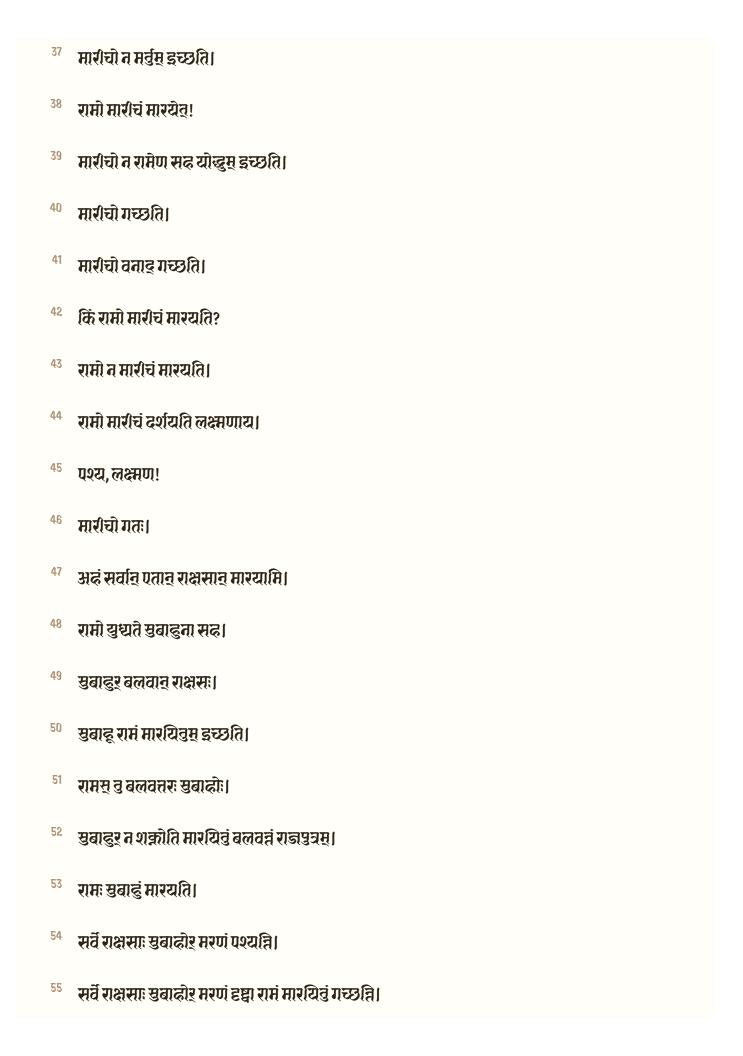


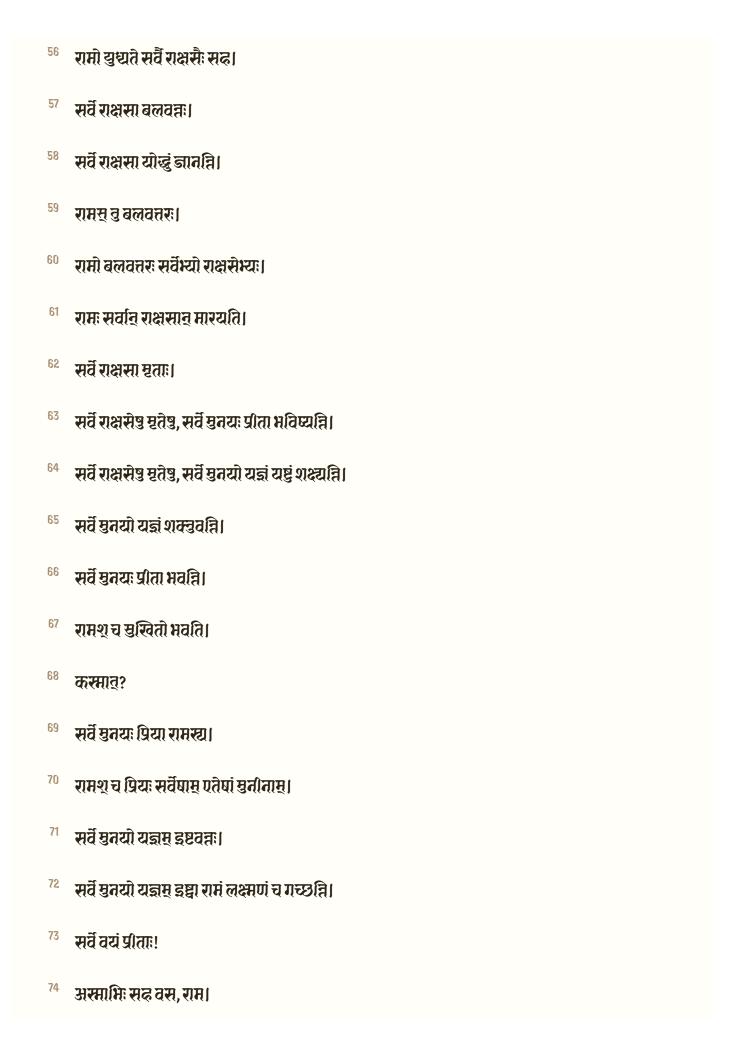
| 32 | सर्व एते छतयः सर्वात् द्रष्टुम् आगच्छित। |
|-------------|--|
| 33 | सर्वे मुत्यः प्रीता भवति। |
| 34 | महास्रो! |
| 35 | किम् एष प्रजो दशरथस्य? |
| 36 | किम् एष पुत्रो महाराजस्य? |
| 37 | एष रामः। |
| 38 | एष च लक्ष्मणः। |
| 39 | रामो लक्ष्मणश्च यज्ञं रक्षिष्यतः। |
| 40 | विश्वामित्रो रामं लक्ष्मणं च पश्यति। |
| 41 | सर्वे वयं यज्ञं यज्ञामः। |
| 42 | अदं यष्टुं गच्छामि। |
| 43 | मदायज्ञो रक्षितव्यः। |
| 44 | राम! लक्ष्मण! |
| 45 | यज्ञं रक्षतम्। |
| 46 | सर्वान् अस्मान् रक्षतम्। |
| 47 | सर्वे छतयो यज्ञं यष्टुं गच्छित। |
| 48 | रामो लक्ष्मणो यज्ञं रक्षितुं गच्छतः। |
| , रामायण | । म् |

सर्वे राक्षसा आगच्छिति



| 18 | सर्वे स्वयो यष्ट्रम् इच्छित्। |
|----|--|
| 19 | गुच्छामः! |
| 20 | अहं सर्वात् मारियवुम् इच्छामि। |
| 21 | मारीच आगच्छति! |
| 22 | मारीचो योखुम् आगच्छित। |
| 23 | मारीचः खबादुश्च योद्धम् आगच्छतः। |
| 24 | बद्धवो राक्षसा आगच्छिति योद्धम्। |
| 25 | सर्व एते राक्षसा आगच्छित सद मारीचेत खबाहुता च। |
| 26 | रामस् उ सर्वात् राक्षसान् पश्यति। |
| 27 | रामः सर्वान् राक्षसान् दर्शयति लक्ष्मणाय। |
| 28 | लक्ष्मण! |
| 29 | पश्य सर्वान् राक्षसान्! |
| 30 | सर्व एते राक्षसा बलवज्ञः। |
| 31 | अदं युधे। |
| 32 | रामो मारीचेत सद युधाते। |
| 33 | मारीचो बलवान्। |
| 34 | रामस् उ मारीचाट् बलवत्तरः। |
| 35 | मारीचो न योद्धं शक्नोति रामेण सदः! |
| 36 | मारीचो भीतो भवति। |





भवनु, मृतयः! रामो लक्ष्मणश्च सुखं वसतो वते। रामो लक्ष्मणश्च उरवं वसतः सर्वेर् छितिभिः सद। 78 सर्वे सरवं वसित महति सहरे वते। रा मा य ण म मिथिला 1 रामः सर्वान् छतीन् गच्छति। ² राम उषिता वने सर्वान् स्नीन् द्रष्टुं गच्छति। मुतयः! 4 सर्वे यूयं मम प्रियाः। ⁵ सर्वे यूयं मम लक्ष्मणस्य च प्रियाः। ⁶ सर्वे यूयं किम् इच्छथ? अदं जारुम् इच्छामि। मां ज्ञापयत, मृतयः! सर्वे प्रीता मनयो रामं पश्यित। राम! जनको महान् राजा। बतको मिथिलाराजः।

| 13 | जनको महायज्ञं यष्ट्रम् इच्छिति। |
|----|--|
| 14 | एतस्मान् मदायज्ञो भविष्यति मिथिलायाम्। |
| 15 | सर्वे वयं यज्ञं द्रष्टुम् इच्छामः। |
| 16 | राम, तम् अस्माभिः सद गमिष्यसि। |
| 17 | तं मिथिलां गमिष्यसि। |
| 18 | तं महाराजं जातकं द्रक्यिसि। |
| 19 | भववु, महामुतयः! |
| 20 | अदं युष्माभिः सद गमिष्यामि। |
| 21 | अदं लक्ष्मणश्च गप्तिष्यावो तिथिलां सद युष्माप्तिः। |
| 22 | अदं लक्ष्मणश् च मिथिलाराजं द्रक्ष्यावः। |
| 23 | गच्छामः! |
| 24 | मिथिलां गच्छामः! |
| 25 | यज्ञं पश्यामः! |
| 26 | सर्वे मिथिलां गच्छित। |
| 27 | किं भवेन् मिथिलायाम्? |
| 28 | रामः किं पश्येत्? |
| 29 | राजा जनकः किम् इच्छेत्? |
| | |